हिमाचल में भारी बारिश 5 की मौत

शिमला/धर्मशाला, 25 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग के रेड अलर्ट के बीच सोमवार को कांगड़ा, बिलासपुर, कुल्लू, हमीरपुर, मंडी में भारी बारिश हुई। बारिश-भूस्खलन के चलते कई जगह भारी नुकसान हुआ है। मणिमहेश यात्रा पर गए पंजाब के चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। प्रशासन ने यात्रा पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी है। दो हजार से ज्यादा श्रद्धालु

- **मृतकों में से चार मणिमहेश यात्रा पर गए पंजाब के श्रद्धालू थे। बारिश के कारण मणिमहेश यात्रा रोक दी गई है।**

अभी भी बीच रास्ते में फंसे हुए हैं। हालांकि, सभी सुरक्षित स्थानों पर हैं। नूरपुर में डडवाड़ा गांव का गुरुदेव सिंह (72) की खड्ड में बहने से मौत हो गई। प्रदेश की ऊंची चोटियों, शिंकुला दर्रा, कुगती जोत, बारालाचा में 10 से 20 सेंमी तक बर्फबारी हुई है।

खराब मौसम को देखते हुए मंगलवार को ऊना, चंबा, कुल्लू, मंडी, कांगड़ा और बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर में स्कूल बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं।

भारत ने पाकिस्तान को बाढ़ की अग्रिम चेतावनी दी

सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद भी भारत द्वारा उठाए गए इस कदम की सराहना हो रही है

नई दिल्ली, 25 अगस्त। जम्मू में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी जारी की है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच सिंधु जल संधि ठंडे बस्ते में है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि मई में सैन्य संघर्ष के बाद यह दोनों पड़ोसियों के बीच पहला बड़ा संपर्क है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग ने 24 अगस्त को पाकिस्तानी अधिकारियों को जम्मू की तवी नदी में बाढ़ की संभावना के बारे में बताया। भारत के इस कदम के बाद पाकिस्तान ने भी अपने यहां चेतावनी जारी की। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ। इसी दौरान प्रधानमंत्रीनरेंद्र

- **जियो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग ने जम्मु की तवी नदी में बाढ़ की चेतावनी दी थी, इसके बाद पाकिस्तान ने भी रैड अलर्ट जारी किया है।**

मोदीने सिंधु जल संधि को रद्द करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान में बाढ़ अलर्ट ऐसे समय आया है जब यह संधि स्थगित है।

न्यूज़पेपर द न्यूज़ ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत ने बाढ़ से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया है। हालांकि अभी तक भारत या पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आमतौर पर इस तरह की सूचनाएं सिंधु जल आयुक्तों के माध्यम से साझा की जाती हैं।

सूत्रों के अनुसार, भारत ने जम्मू की तवी नदी में संभावित भीषण बाढ़ के बारे में इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के जरिए पाकिस्तान को आगाह किया। खबर में यह भी दावा किया गया है कि मई में दोनों देशों के बीच हुए सैन्य संघर्ष के बाद यह पहली बड़ी बातचीत है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 30 अगस्त तक पाकिस्तान के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मानसून की बारिश से जूझ रहे पाकिस्तान में अब तक 788 से अधिक लोगों की मौत और 1,018 लोगों के घायल होने की खबर है।

डूंगरपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर से आवागमन बंद कर दिया गया है तथा एहतिहात के तौर पर डूंगरपुर-उदयपुर जिला प्रशासन ने पुलिस जाब्ता तथा प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्त किया है।

डूंगरपुर में सुबह के समय भी आसमान में घनघोर काले बादल छाए हुए हैं और रुक-रुककर बरसात हो रही है। लगातार बारिश की वजह से डूंगरपुर के अमरपुरा बांध छलक गया है। इसके अलावा आकरसोल का नाका, मारगिया, अमरपुरा, टामटिया, पूंजपुरा और बोडीगामा बांध तालाब ओवरफ्लो चल रहे हैं। सभी पर 1 से 2 फीट की चादर चल रही है। जिले में सोमवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश कनवा ने 87 एमएम हुई है।

वहीं देवल में 69 एमएम, डूंगरपुर में 64 एमएम, आसपुर में 44 एमएम, गणेशपुर में 40 एमएम, निठाउवा में 40 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 28 एमएम, धम्बोला में 30 एमएम, सागवाडा में 26 एमएम, चिखली में 23 एमएम, सावला में 24 एमएम, वेंजा में 27 एमएम बारिश हुई है।

बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले में ईडी की बड़ी कार्यवाही

सत्तारुढ़ तृणमूल के विधायक जीवनकृष्ण साहा को गिरफ्तार किया

कोलकाता, 25 अगस्त। प्रवर्तन निदेशालय ने पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में छापेमारी के बाद सोमवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में उनके आवास पर छापेमारी के बाद उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में लिया। सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान विधायक ने दीवार कूदकर अपने घर से भागने की कोशिश की। उन्होंने अपने फोन भी घर के पीछे एक नाले में फेंक दिए, जो बरामद कर लिए गए हैं।

छापेमारी के वीडियो और तस्वीरों में एक भीगे हुए विधायक को ईडी और सीआरपीएफ के अधिकारी उस जगह से ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां चारों ओर झाड़ियां और कचरा फैला हुआ था।

- **ईडी के सूत्रों ने बताया कि विधायक ने दीवार फांदकर भागने की कोशिश की और अपने फोन भी घर के पीछे नाले में फेंक दिए जिन्हें बरामद कर लिया गया है।**

सूत्रों ने बताया कि बुरवान विधानसभा क्षेत्र के विधायक को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एजेंसी के साथ सहयोग न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि छापेमारी में विधायक के कुछ रिश्तेदार और सहयोगी भी शामिल हैं।

साहा को 2023 में सीबीआई ने इस घोटाले से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया था और बाद में रिहा कर दिया गया था। ईडी का धन शोधन मामला सीबीआई की ओर से दर्ज एक प्राथमिकी से उपजा है, जिसे कलकत्ता हाईकोर्ट ने समूह ग और घ के कर्मचारियों, कक्षा 9 से 12 तक के सहायक शिक्षकों और प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच करने का निर्देश दिया था। ईडी ने इससे पहले पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी कथित सहयोगी अर्पिता मुखर्जी, टीएमसी विधायक और पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य के अलावा कुछ अन्य लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से गिरफ्तारी के बाद चटर्जी को टीएमसी ने निलंबित कर दिया था। ईडी ने इस मामले में अब तक कुल चार आरोपपत्र दाखिल किए हैं।

भारत ने ट्रंप से डील करने के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तकनीकी साझेदारियों से लेकर ऊर्जा आयात तक, की बारीकी से निगरानी कर रहा है। इस लॉबिइंग अभियान की टाइमिंग भी अहम है। ट्रम्प का नया टैरिफ पैकेज भारतीय सामानों पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत तक ले जाता है, 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क और 25 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना। इसके समानांतर, वाइट हाउस ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने की चेतावनी भी दी है, जिससे आर्थिक असर व्यापार से कहीं आगे तक पहुँच सकता है।

भारत के लिए यह लड़ाई सिर्फ आर्थिक नहीं है। अमेरिका उसका सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, एक अहम तकनीकी साझेदार है और इंडो-पैसिफिक रणनीति में एक आवश्यक संतुलन है। नई दिल्ली के सामने चुनौती है कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा करे, लेकिन वॉशिंगटन के साथ उसकी रणनीतिक समीपता भी बरकरार रहे। इसीलिए लॉबिइंग के जरिये भारत यह दांव खेल रहा है कि प्रभाव, पहुँच और सुनियोजित संदेश के ज़रिये ट्रम्प की संरक्षणवादी नीति के सबसे कठोर प्रभावों को रोका जा सके।

यह कदम वॉशिंगटन के प्रभाव के बाजार में चल रही व्यापक भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को भी दर्शाता है। पाकिस्तान, जो गहरे आर्थिक संकट में है, ने भी लॉबिइंग बजट में भारी इजाफा कर दिया है। एफएआरए के अनुसार, इस्लामाबाद हर महीने लगभग 600,000 (5.2 करोड़) छह से अधिक फर्मों पर खर्च कर रहा है, ताकि वह वाइट हाउस, कांग्रेस और संघीय एजेंसियों को दक्षिण एशिया से जुड़े मुद्दों पर अपनी ओर झुका सके।

इस पृष्ठभूमि में भारत की लॉबिइंग सम्बंधी तेजी से सिर्फ टैरिफ का जवाब नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वह किसी भी वैश्विक ताकत से अपने प्रभाव के क्षेत्र में पीछे न रह जाए। वॉशिंगटन हमेशा से ही विचार -विमर्श का युद्धक्षेत्र रहा है, और जब दंडात्मक व्यापारिक नीतियाँ सामने हों, तो नई दिल्ली यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसकी आवाज़ बुलंद हो, उसकी बात मजबूती से रखी जाए और उसके हितों की रक्षा वास्तविक समय में हो। अंततः, भारत की यह लॉबिंग मुहिम यह दर्शाती है कि वॉशिंगटन के साथ संबंध अब कूटनीति और राजनीतिक वकालत के मेल से तय होते हैं। जब टैरिफ और प्रतिबंध आसन्न हों, तब लड़ाई केवल व्यापार आंकड़ों या घोषणाओं में नहीं, बल्कि प्रभाव, लॉबिइंग और सत्ता केन्द्रों की नज़दीकी तक सीमित रह जाती है।

इस प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली ने साफ कर दिया है कि वह मूकदर्शक नहीं बनेगी। ट्रम्प की आंतरिक सर्कल तक सीधी पहुँच रखने वाले लॉबिइंग नेटवर्क में निवेश कर भारत यह संकेत दे रहा है कि वह अपने आर्थिक हितों और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा - चाहे राजनीतिक माहौल कितना ही चुनौतीपूर्ण क्यों न हो।

संघ का तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगस्त को सरसंघचालक मोहन भागवत संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम में समाज की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

आंबेकर ने कहा कि संवाद कार्यक्रम में नोबेल पुरस्कार प्राप्त कैलाश सत्यार्थी और डॉ. त्रेहान भाग लेंगे। हर धर्म के लोग इसमें भाग लेंगे। संवाद कार्यक्रम में दो दिन उद्धबोधन का सत्र रखा है। दो दिन में 100 वर्ष की यात्रा के बारे में बताएंगे। तीसरे दिन आमंत्रित अतिथि भी संबोधन देंगे। साथ ही लोगों के प्रश्नों के जवाब देंगे।

पंचायत चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पद से हटाया गया था। अपील में कहा गया कि इन हटाए गए प्रशासकों की किसी प्रकार की विधिक क्षति नहीं हुई है। दोनों पक्षों की दलील सुवनकर खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी।

'धनखड़ के बारे में सच-झूठ की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्याख्या विपक्ष की बातों पर आधारित नहीं होनी चाहिए। हमें इस सबका तमाशा नहीं बनाना चाहिए। धनखड़ ने एक संवैधानिक पद संभाला था और संविधान के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

उन्होंने निजी स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया। इस पर ज्यादा विचार विमर्श नहीं होना चाहिए।''

हालांकि, कांग्रेस नेता शाह की सफाई से संतुष्ट नहीं हुए और कहा कि यह समझ से परे है कि हमेशा मुखर और जीवंत रहने वाले धनखड़ इस्तीफे के बाद से पूरी तरह से मौन क्यों हैं।

रमेश ने कहा, यह समझ में नहीं आता कि किसानों की आवाज़ बनने वाले, सदैव उत्साही और स्पष्टवादी श्री धनखड़ पिछले एक महीने से पूरी तरह संपर्क से बाहर क्यों हैं। यह पूरा इस्तीफा प्रकरण अजीब है और यह दिखाता है कि जी2 कैसे काम करता है।

धनखड़ ने 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा, स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सा सलाह का पालन करने के लिए, मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से अनुच्छेद 67(क) के तहत इस्तीफा देता हूं।

हालांकि, उनके अचानक और अप्रत्याशित तरीके से इस्तीफा देने और उसके बाद से सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह गायब रहने ने राजनीतिक अटकलों को जन्म दे दिया है।

कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ विपक्ष के महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के उनके निर्णय से सरकार नाराज़ थी और इसलिए उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि सरकार स्वयं धनखड़ के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रही थी।

जंतर-मंतर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देकर उन्हें जीवित बचे रहने में सहयोग करना चाहिए। हरियाणा के किसान और संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) के सदस्य किशन पाल चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों को किसान सम्मान निधि के रूप में बहुत कम राशि तय की है। इससे छोटे से छोटे किसान को भी अपनी आवश्यकता पूरी करने में मदद नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को हर किसान परिवार को हर साल कम से कम 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष की सहायता करनी चाहिए।

'सुदर्शन रेड्डी पर शाह की टिप्पणी पूर्वाग्रह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के. कन्नन, के. चंद्रू, बी. चंद्रकुमार और कैलाश गंभीर शामिल हैं। प्रोफेसर मोहन गोपाल और वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने भी बयान पर हस्ताक्षर किए हैं।

शुक्रवार को केरल में बोलते हुए शाह ने कहा था, सुदर्शन रेड्डी वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने नक्सलवाद को बढ़ावा दिया। उन्होंने सलवा जुडूम का फैसला सुनाया। अगर सलवा जुडूम का फैसला नहीं सुनाया गया होता, तो नक्सली आतंकवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता। वह वह व्यक्ति हैं, जो सलवा जुडूम का फैसला देने वाली विचारधारा से प्रेरित थे।

रेड्डी ने शनिवार को कहा था कि वह गृह मंत्री के साथ किसी भी मुद्दे पर बहस नहीं करना चाहते। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह फैसला उनका नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट का है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर शाह ने पूरा फैसला पढ़ा होता, तो वे ऐसी टिप्पणी नहीं करते।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908